## न्यूज डायरी

### नीस के चर्च पर हमले के बाद जिहादियों ने मनाया जश्न

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)** पेरिस। फ्रांस के नीस शहर के चर्च में तीन लोगों की निर्मम हत्या और सऊदी अरब में फ्रांसीसी वाणिज्य दूतावास के गार्ड पर चाकू से हमले को ऑनलाइन जिहादियों ने जमकर जश्न मनाया है। आतंकियों पर नजर रखने वाली संस्था की डायरेक्टर रिता कट्ज ने बताया कि जिहादियों ने फेसबुक और ट्विटर पर अपनी खुशी का खुलकर इजहार किया। उन्होंने इसे फ्रांस के अभिव्यक्ति की आजादी के जवाब में ऐक्शन की स्वतंत्रता करार दिया। कट्ज ने कहा, ये नए हमले ऐसे समय पर हुए हैं जब जिहादी मीडिया फ्रांस और उसके कार्टूनिस्टों की निंदा करने के लिए व्यापक अभियान चलाया हुआ है। नीस पर हमले की अभी तक किसी भी गुट ने जिम्मेदारी नहीं ली है लेकिन यह हमला ऐसे समय पर हुआ है जब फ्रांस और मुस्लिम देशों के बीच फ्रांसीसी टीचर का सिर कलम किए जाने पर बवाल मचा हुआ है।

### नीस के चर्च में आतंकी हमले के बाद गुस्से से लाल फ्रांस

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)** नीस। फ्रांस के नीस शहर में तीन लोगों की निर्मम हत्या से स्थानीय लोग बेहद गुस्से में हैं। इस खौफनाक घटना के बाद नीस के लोगों ने गुरुवार रात को नॉट्र डैम चर्च के पास रैली निकालकर, मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने आतंकी संगठन ISIS के खिलाफ नारे लगाए और फ्रांस का राष्ट्रगान गाया। इस दौरान कई लोगों के इस्लाम यूरोप से वापस जाओ के नारे लगाने के वीडियो भी वायरल हो रहे हैं। इस रैली के जरिए नीस के लोगों ने कट्टरवाद और आतंकवाद के खिलाफ अपनी एकजुटता का प्रदर्शन किया। साथ ही कहा कि अब लोगों के एकसाथ आने का समय हो गया है। वे आतंकियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे थे। इससे पहले ट्यूनीशियाई मूल के हमलावर ने नीस के एक चर्च में एक महिला का गला काट दिया और दो अन्य लोगों की चाकू मारकर निर्मम तरीके से हत्या कर दी थी। अब तक की जांच में यह भी पता चला है कि हमलावर हाथ में कुरान की किताब और चाकू लेकर चर्च के अंदर घुसा था।

### अभिनंदन वर्धमान पर खुलासे से पाकिस्तान में भूचाल

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)** इस्लामाबाद। भारतीय वायुसेना के विंग कमांडर अभिनंदन को छोड़ने की परिस्थितियों को लेकर नवाज शरीफ के करीबी सरदार अयाज सादिक के महाविस्फोटक खुलासे से पाकिस्तान में भूचाल आया हुआ है। पाकिस्तानी सेना के प्रवक्ता मेजर जनरल बाबर इफ्तिखार ने पीएमएल एन के नेता के बयान को 'इतिहास को विकृत' करने का एक प्रयास करार दिया है। वहीं इस पूरे खुलासे को नवाज शरीफ बनाम सेना प्रमुख कमर जावेद बाजवा की जंग से भी जोड़कर देखा जा रहा है। सरदार सादिक के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए पाकिस्तानी सेना के प्रवक्ता मेजर जनरल बाबर इफ्तिखार ने गुरुवार को कहा कि उनका बयान 'इतिहास को विकृत' करने का एक प्रयास है। मेजर जनरल इफ्तिखार ने कहा, 'पाकिस्तान इतिहास को सही करने के उद्देश्य से यह स्पष्ट करना चाहता है कि पाकिस्तान ने अपनी क्षमता और संकल्प का प्रदर्शन किया और 27 फरवरी को अपनी क्षमता के हिसाब से कार्रवाई की।'

### सबसे खतरनाक सीमा संकट पर भारत ने चीन को कैसे किया चित

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)** पेरिस। भारत–चीन के बीच सीमा विवाद में इस साल सबसे तनावपूर्ण हालात देखने को मिले। पूर्वी लद्दाख में दोनों देशों की सेनाओं के बीच हिंसक झड़प हुई। साथ ही लगातार तनातनी देखने को मिली। लद्दाख के इलाके में अब ठंड भी बढ़नी शुरू हो गई है, लेकिन चीन की नापाक हरकतों पर नजर रखने के लिए भारतीय फौज ऊंचे सैन्य ठिकानों पर कब्जा बनाए हुए है। इस बीच भारत–चीन के सीमा संकट पर विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला का बयान सामने आया है। उन्होंने कहा है कि भारत ने दशकों पुराने सीमा संकट से निपटने में पूरी परिपक्वता और दृढ़ता दिखाई।

# तुर्की और फ्रांस के बीच तेजी से बढ़ रहा है तनाव

**तनाव**

## कूटनीतिक लड़ाई के पीछे अफ्रीका में वर्चस्व की जंग भी छिपी हुई है

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)**

पेरिस/अंकारा। फ्रांस के एक शिक्षक की गला काटकर निर्मम तरीके से हत्या कर दिए जाने के बाद से ही पेरिस और तुर्की के बीच विवाद गहराता जा रहा है। फ्रांस और तुर्की के बीच अभिव्यक्ति की आजादी बनाम धार्मिक संवेदनशीलता की इस कूटनीतिक लड़ाई के पीछे अफ्रीका में वर्चस्व की जंग भी छिपी हुई है। खलीफा बनने की चाहत रखने वाले तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयब एर्दोगान ने बुधवार को आरोप लगाया था कि पश्चिमी देश एक बार फिर से धर्मयुद्ध शुरू करना चाहते हैं।

एर्दोगान का यह बयान ऐसे समय पर आया है जब फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रां ने पैगंबर मोहम्मद साहब के कार्टून के प्रकाशन का समर्थन किया है। तुर्की के राष्ट्रपति ने कहा कि यह तुर्की के लिए एक सम्मान की बात है कि वह पैगंबर के खिलाफ होने वाले हमले के खिलाफ खड़ा हो जो मक्का, मदीना, अफ्रीका,

एशिया, यूरोप और पूरे विश्व में हमेशा से ही आदरणीय रहे हैं।

तुर्की के एडम शोध संस्थान में विश्लेषक सिनान उल्गेन का मानना है कि अपने इस बयान के जरिए एर्दोगान ने यह दिखाने की कोशिश की कि वह पूरी दुनिया में मुस्लिमों के अधिकारों के रक्षक हैं। उल्गेन ने कहा, कार्टून को लेकर चल रहा विवाद दोनों देशों के बीच बढ़ रही प्रतिस्पर्द्धा का हिस्सा है। फ्रांस ने संयुक्त अरब अमीरात के साथ मिलकर एक रणनीतिक गठजोड़ बनाया है ताकि पश्चिम एशिया और उत्तरी अफ्रीका में राजनीतिक इस्लाम के बढ़ते प्रभाव का मुकाबला किया जा सके। उल्गेन ने कहा कि तुर्की इससे उलट दूसरे धड़े में शामिल है और वह अन्य देशों के साथ अपने संबंधों के जरिए राजनीतिक इस्लाम और मुस्लिम ब्रदरहूड को बढ़ावा दे रहा है। लीबिया में चल रही जंग में फ्रांस और तुर्की दोनों ही अलग–अलग धड़े का समर्थन कर रहे हैं। एर्दोगान वर्तमान राष्ट्रपति अब्देल फतह अल सीसी के धुर विरोधी हैं जबकि लीबिया के राष्ट्रपति को फ्रांस का खुला समर्थन हासिल है।

ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के एमरे कलिस्कान ने कहा कि पश्चिमी अफ्रीका के मुस्लिम बहुल देशों में फ्रांस का काफी प्रभाव है। ये देश फ्रांस के उपनिवेश रह चुके हैं। तुर्की अब फ्रांस के इसी प्रभाव को चुनौती दे रहा है। उन्होंने कहा कि तुर्की एक उभरती हुई शक्ति है और नया है। उसके हित और उपस्थिति फ्रांसीसी हितों को चुनौती दे रहे हैं। तुर्की लीबिया के आसपास के इलाकों पर अपनी पकड़ सुनिश्चिम करना चाहता है। हमने देखा है कि एर्दोगान ने हाल ही में नाइजर की यात्रा की है और माली के साथ सहयोग को बढ़ाया है। इसी साल तुर्की ने नाइजर के साथ एक रक्षा समझौता किया है। तुर्की की सेना पहले ही लीबिया में मौजूद है। विश्लेषकों का कहना है कि अभी के लिए तुर्की की कोशिश इस इलाके में रणनीतिक उपस्थिति बनानी है।

## वियतनाम में भयंकर तूफान और भूस्खलन से 35 लोगों की मौत

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)** हनोई। वियतनाम में तबाही मचाकर भीषण तूफान मोलावे गुरुवार को यहां से आगे बढ़ गया। अधिकारियों के मुताबिक यहां बीस साल में आया यह अब तक का सबसे प्रचंड तूफान था तथा इसके कारण कई जगहों पर भूस्खलन हुए, नावें डूब गई और लाखों लोगों के घरों की बिजली गुल हो गई। सरकारी मीडिया के मुताबिक तूफान की चपेट में आकर कम से कम 35 लोगों की मौत हो गई तथा 50 से अधिक लोग लापता हैं।

बचावकर्ताओं का प्रमुख ध्यान देश के मध्य क्षेत्र के उन तीन गांवों पर हैं, जहां भूस्खलनों के कारण कम से कम 19 लोगों की मौत हो गई। ऐसी आशंका है कि 40 से अधिक लोग कीचड़ और मलबे में दबे हैं। उप प्रधानमंत्री त्रिन्ह दिन्ह डंग उस स्थान पर गए जहां भूस्खलन हुआ था और सैनिक बुलडोजरों की मदद से मलबा हटा रहे हैं। उन्होंने अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से राहत एवं बचाव कार्य के लिए और सैनिक भेजने का आदेश दिया। मरने वालों में 12 मछुआरे हैं जिनकी नावें बुधवार को तूफान के कारण डूब गई थीं। 14 अन्य मछुआरे लापता हैं।

अधिकारियों का कहना है कि मृतक संख्या अधिक हो सकती है क्योंकि कई स्थानों से जानमाल के नुकसान की अभी खबर नहीं मिल सकी है।

## भारत ने अमेरिकी ड्रोन के खरीद को नहीं दी मंजूरी

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)** वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में भारत का फायदा उठाने में लगे राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को नई दिल्ली ने पिछले दिनों बड़ा झटका दिया। भारत ने अमेरिकी विदेश मंत्री माइक पोम्पियो के दबाव के बाद भी अमेरिका के हथियारों से लैस ड्रोन डफ–9 रीपर को खरीदने से इनकार कर दिया। दरअसल, ट्रंप इस अरबों डॉलर की डील के जरिए चुनाव प्रचार के अहम मोड़ पर इसे विदेश नीति की श्जीतश् के रूप में दिखाना चाहते थे। डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने इस ड्रोन को खरीदने के लिए भारत पर काफी दबाव भी डाला था। ट्रंप प्रशासन के कई अधिकारियों ने यूएस न्यूज को बताया कि ड्रोन विमानों की बिक्री माइक पोम्पियो और रक्षा मंत्री मार्क एस्पर की भारत यात्रा का मुख्य अजेंडा था लेकिन भारत ने इसे मंजूरी नहीं दिया।

## रूस में अल्लाहू अकबर चिल्लाते हुए लड़के ने किया चाकू से हमला

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)**

मॉस्को। रूस के मुस्लिम बहुल इलाके में आज एक हमलावर के अल्लाहू अकबर कहकर पुलिसवाले को चाकू मारने के बाद पुलिस ने उसे गोली मार दी। इस किशोर ने कुकमोर इलाके में पुलिस थाने को आग लगाने का प्रयास किया था। 16 साल का यह लड़का धारदार चाकू से लैस था और उसने गोली मारे जाने से पहले एक पुलिसवाले को बुरी तरह से घायल कर दिया।

स्थानीय मीडिया ने इस हमलावर का नाम विटले अंतीपोव बताया है। रूस की जांच एजेंसी ने कहा कि वे इसे आतंकवाद

### पुलिस की इमारत को आग लगाने की कोशिश की

की घटना मानकर व्यवहार कर रहे हैं और एक आपराधिक मामला दर्ज किया है। रूस की समाचार एजेंसी इंटरफेक्स ने कहा कि यह हमलावर अल्लाहू अकबर के नारे लगा रहा था। उसने पुलिस को हमले के दौरान काफिर बताया था। यह घटना मुस्लिम बहुल टटारस्तान में हुई है।

जांचकर्ताओं ने कहा कि हमलावर ने जिले की पुलिस की एक इमारत को आग लगाने की कोशिश की और गिरफ्तार करते समय पुलिस अधिकारी को चाकू मार दिया। उसने पुलिसवालों से कहा, श्मैं तुम सभी को मारने जा रहा हूं।श उसने पुलिस अधिकारी पर तीन बार चाकू से वार किया। एक अन्य पुलिस अधिकारी ने उसे चेतावनी देने के लिए हवा में गोली चलाई लेकिन वह नहीं माना। इसके बाद पुलिस ने उसे गोली मार दी। हमलावर की मौके पर ही मौत हो गई।

घायल पुलिस अधिकारी को अस्पताल में भर्ती कराया गया है लेकिन उसकी जान अभी भी खतरे में बनी हुई है। जांचकर्ताओं ने इसे आतंकी घटना का प्रयासश करार देते हुए मामले की जांच शुरू कर दी है। अंतीपोव साइबेरिया के अल्टाई इलाके का है और एक हलाल कैफे में काम करता है। इस कैफे का मालिक भी हथियारों के अवैध निर्माण और तोड़फोड़ के आरोप में 14 साल जेल की सजा काट चुका है।

## मंदिर निर्माण को लेकर कोई शरिया, संवैधानिक बाधाएं नहीं

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)** इस्लामाबाद। पाकिस्तान के सर्वोच्च धार्मिक संगठन ने कहा है कि इस्लामाबाद या पूरे देश के किसी भी हिस्से में हिंदू मंदिर के निर्माण पर कोई संवैधानिक अथवा शरिया प्रतिबंध नहीं हैं। डॉन न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, सीआईआई ने संविधान और 1950 में हुए लियाकत–नेहरू समझौते के आधार पर एक बैठक में यह निर्णय लिया। सीआईआई ने सरकार को सैदपुर गांव में स्थित एक प्राचीन मंदिर और उससे सटी धर्मशाला को भी इस्लामाबाद के हिंदू समुदाय को सौंपने की अनुमति दी। परिषद ने कहा, इश्स्लामाबाद में वर्तमान आबादी के मद्देनजर सैदपुर गांव में स्थित एक प्राचीन मंदिर और उससे सटी धर्मशाला को हिंदू समुदाय के लिए खोला जाए और उनके लिए वहां पहुंचने की सुविधा उपलब्ध कराई जाए ताकि वे अपने धार्मिक अनुष्ठान कर सकें। इस निर्णय पर सीआईआई के 14 सदस्यों के हस्ताक्षर हैं और इसमें कहा गया कि देश के अन्य धार्मिक समूहों की तरह ही हिंदुओं को भी अपने धर्म के अनुसार अंतिम संस्कार करने के लिए एक स्थान का संवैधानिक अधिकार है।